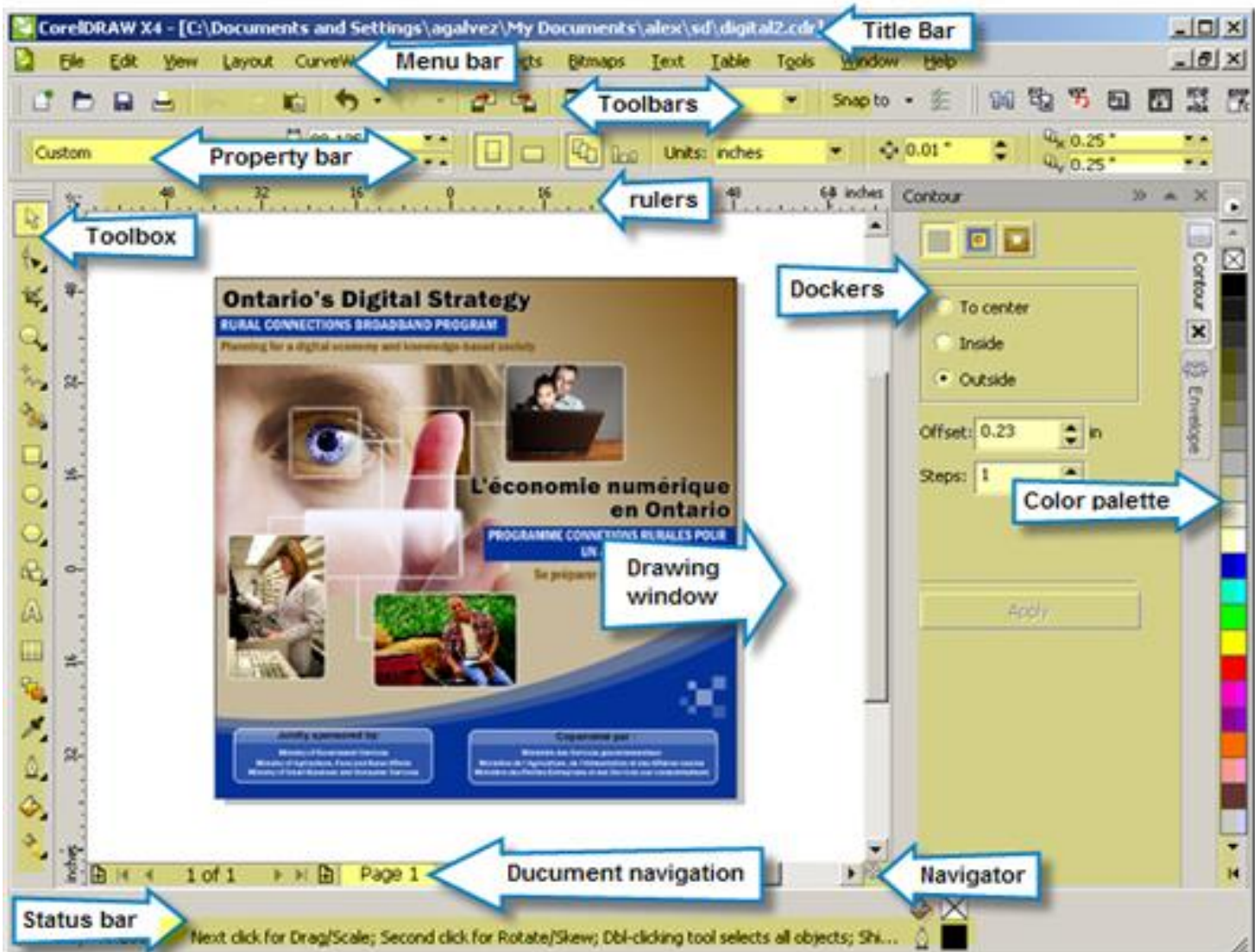




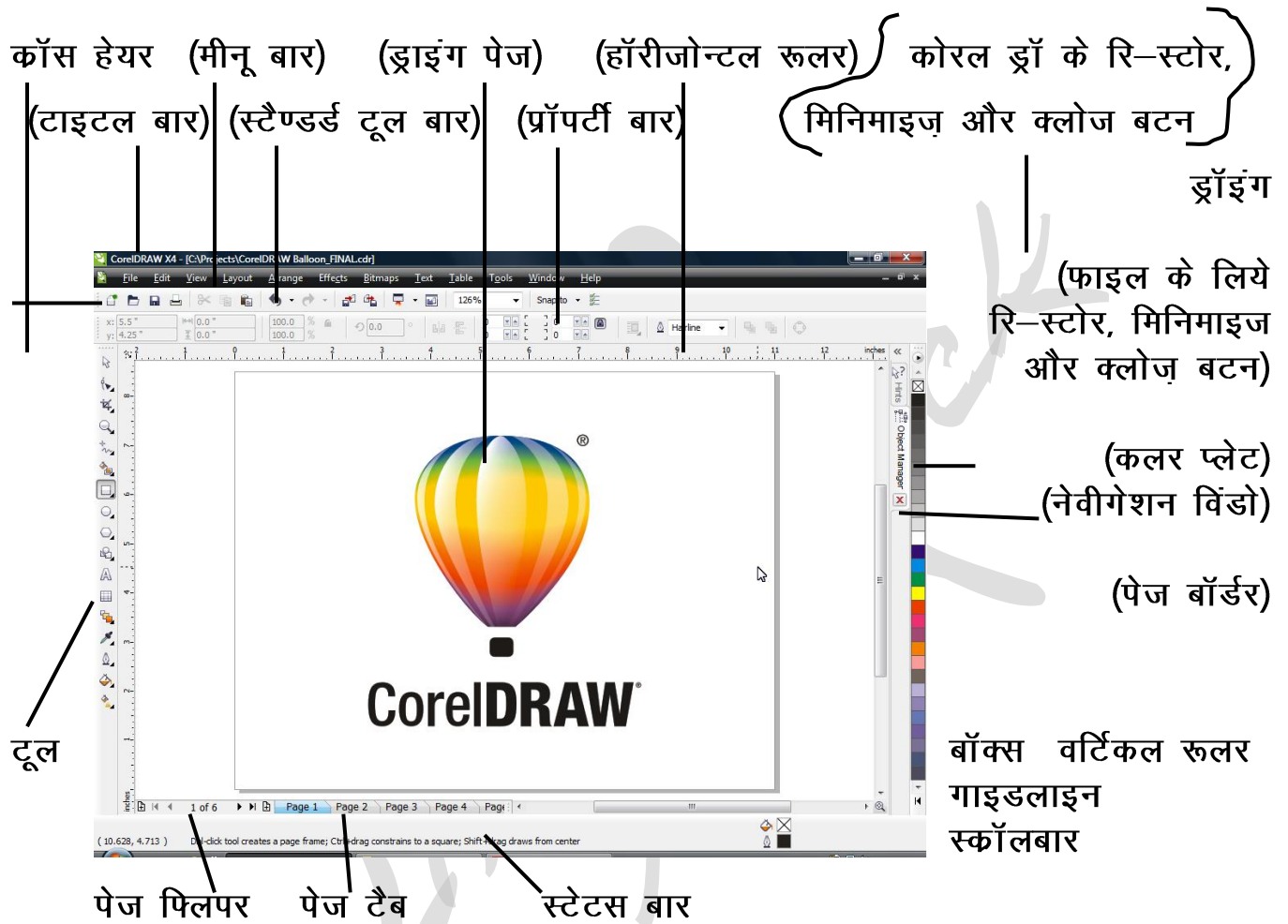
CorelDRAW® X4



Hindi Notes



➤ General Information about Corel



Corel Draw Desktop के रूप में use किया जाने वाला software है जो बहुत useful & important है। Corel Draw drawing programme है जिसके द्वारा आप simple line drawing से लेकर पेशेवर art draw तैयार कर सकते हैं। corel draw में बहुत से tool और effect उपलब्ध हैं जिनकी help से आप high quality के graphics तैयार कर सकते हैं।

Computer आधारित graphics programme में image दो प्रकार के होते हैं। Bitmap or vector पर depend है। Bitmap image points means pixels पर depend होते हैं। Each pixel is independent उसे आप मनचाहे color में show कर सकते हैं।



Photoshop, Photopaint, Paintbrush etc software में इस प्रकार के चित्र बनाए जाते हैं।

दूसरी और vector depend image ज्यामितिय shapes पर depend है। इसमें image को points के group के रूप में special lines द्वारा जोड़ा जाता है। किसी image के all part या selected parts को आप अपनी आवश्यकतानुसार large या small कर सकते हैं। इस प्रकार के image को large या small करने से उसकी गुणवत्ता या स्पष्टता पर कोई effect नहीं पड़ता।

- **Start Button→All Programs→Corel Draw 12 पर Click करें।**
- Corel को homepage को screen पर लाने के लिए shift + F4 key का use करें।
- किसी भी object को select करने पर F4 करने पर वह full screen पर आ जाता है, जिससे हम कोई भी drawing बना सकते हैं व इसको minimize करने के लिए F3 का use करें।

Title Bar: - Title bar corel draw window screen में सबसे ऊपर होता है।

- इसमें program और corel draw document का नाम show होता है।

Menu Bar: - Menu bar title bar के नीचे होता है।

- इसमें corel के अनेक menu होते हैं।
- Each menu में different-different command होती है।
- इन menu के command के use से आप corel में work easily कर सकते हैं।

Standard Tool Bar: - यह Tool menu bar के नीचे होता है। इसमें corel के command Icon के रूप में होता है।

- यदि यह tool bar दिखाई नहीं दे रहा है तो window menu से toolbars में जाकर standard command पर click करें तो standard tool bar show हो जाएगा।

Property Bar: - यह tool standard tool bar के just नीचे होता है।

- इसमें tool की properties show होती है।
- अगर यह tool दिखाई न दे तो window menu से toolbars में जाकर property bar command पर click करें।

Ruler: - Corel में ruler की help से drawing को सही रूप से set करने और उसमें सामग्री को fix जगह पर set करने में use होता है।



- जब भी आप Mouse Pointer या किसी drawing को इधर-उधर ले जाते हैं तो उसकी position बताने के लिए दो lines ruler पर चलती है।
- यदि ruler show नहीं हो रहे हैं तो आप view menu में जाकर rulers command पर click करें, ruler show हो जाएगा।
- Ruler generally inch में show होता है।
- Ruler की measure unit को हम अपनी सुविधा अनुसार other measure unit में set कर सकते हैं।
- इसे change करने के लिए properties bar पर दिए गए unit option पर click करें। इससे सभी measure units show हो जाएगी।

Using Zero Point: - दोनों rulers के zero point के joint को zero point कहा जाता है।

- Zero point का use किसी page पर किसी object के corner से उसकी distance या length-width के measurement के लिए किया जाता है।

Ruler Guideline: - Ruler Guideline ऐसी lines होती है जो दिखाई देती है लेकिन print नहीं होती। इसका use किसी object को ठीक तरह से सेट करने के लिए किया जाता है।

- यदि आप किसी ruler guideline को हटाना चाहते हैं तो उस पर double click करें, इससे option dialogue box show होगा। Select guideline को हटाने के लिए delete button पर click करें, यदि आप सभी guideline को एक साथ delete करना चाहते हैं तो Clear button पर click करें then ok पर click करें। Guideline को hide करने के लिए view menu में जाकर guidelines command पर click करें तो guideline दिखाई नहीं देंगी।

Color Palette: - इस palette का use text, drawing या shape में color fill करने के लिए किया जाता है।

- यह Palette by default screen पर होती है। यदि color palette screen पर दिखाई नहीं दे तो window menu में color palettes पर mouse pointer ले जाए।
- अगर आपको Color palette select नहीं करना चाहते तो none option पर click करें।
- किसी other color palette को open करने के लिए open palette option पर click करें।



- नया color palette बनाने के लिए create palette from document option पर click करें।
- Color palette editor के लिए palette editor option पर click करें। इससे palette editor dialog box show होगा। इससे आप color में change कर सकते हैं। इसके लिए color select कर edit color button पर click करें। किसी color को हटाने के लिए delete color button पर click करें। New color add करने के लिए add color button पर click करें।

Scroll Bar: - Scroll Bar सबसे नीचे होता है। Scroll bar vertical and horizontal के रूप में होता है। इससे drawing को up-down, right-left करने के लिए किया जाता है।

Page: - Corel Draw document को अलग-अलग page में manage किया जाता है। इन pages को drawing कहा जाता है।

- More Page Insert करने के लिए layout menu से insert page पर click करें।
- Page के name को बदलने के लिए layout menu में rename page option पर click करें।
- Page को delete करने के लिए layout menu में delete page option पर click करें।
- Pages पर आगे-पीछे जाने के लिए कमश: page up और page down key का use करें।

Drawing: - Drawing corel draw window को part होता है जहाँ work किया जाता है। यह set किए गए paper size के अनुसार होता है। इसके चारों ओर page border होता है।














- यदि Page border show नहीं हो रहा है तो view menu में show option में page border option पर click करें।
- Drawing को print करने के लिए ctrl + P key का use करें।
- Print area set करने के लिए print preview पर click करें।
- Print Preview dialogue box से अलग-अलग option का use कर print area set कर सकते हैं।

Tool Box: - Tool box corel draw का most important tool है। इसमें किसी भी work को करने के लिए useful tool दिए गए हैं।




- यदि Tool box दिखाई नहीं दे रहा हो तो window menu में toolbar option में toolbox पर click करें।
- जब आप किसी tool को select करते हैं तो mouse pointer tool box से बाहर निकलते ही tool के अनुरूप हो जाता है। इससे पता चलता है कि कौन-सा tool select किया हुआ है।


Tool of toolbox are followings: -

1. Pick Tool 
2. Shape Tool 
3. Crop Tool 
4. Zoom Tool 
5. Freehand Tool 
6. Smart Drawing Tool 
7. Rectangle Tool 
8. Ellipse Tool 
9. Graph Paper Tool 
10. Basic Shape Tool 
11. Text Tool 
12. Table Tool 
13. Interactive Blend Tool 



14. Eye Dropper Tool _____ 

15. Outline Tool _____ 

16. Fill Tool _____ 

17. Interactive Fill Tool _____ 

Create New Window: - Corel में new window बनाने के लिए window menu में new window option पर click करें, इससे आप corel draw में कई window बना सकते हैं, Window का नाम अलग-अलग होगा।

- सभी Window को show करने के लिए window menu में carcode option पर click करें।
- Window को close करने के लिए window menu में close option पर click करें।
- सारी window एक साथ बंद करने के लिए close all option पर click करें।

Tools: -

1. **Pick Tool:** - किसी object को select करने के लिए किया जाता है। किसी object पर करने के लिए सबसे पहले इसे select करना पड़ता है।
 - यदि कोई Other tool select किया हुआ है, तो Ctrl OR Ctrl + Space bar करने पर pointer pick tool select कर लेगा।
 - एक साथ अन्य Objects को select करने के लिए shift key दबाकर बारी-बारी उन पर click करें।
 - अगर अनेक object select किए हुए हैं और उनमें से किसी one object को selection से replace करना चाहते हैं तो shift key दबाकर उस पर click करें।
2. **Text Tool:** - इस tool का use करके आप drawing में text type कर सकते हैं या पहले से type किए हुए text में change कर सकते हैं।
 - F8 is shortcut key of text tool, इस tool को select करते हैं, तो Mouse pointer '+' को रूप धारण कर लेता है।
 - Text tool का use करके आप text की दो प्रकार से तैयार कर सकते हैं। एक paragraph text के रूप में और दूसरा artistic text के रूप में।



- जब text को frame बनाकर type करते हैं तो वह paragraph text कहलाता है, जब text बिना frame के type करते हैं तो वह artistic text कहलाता है।
 - Paragraph text को artistic text में और artistic text को paragraph text में बदल सकते हैं।
 - इसके लिए text menu से convert option का use करें।
3. **Rectangle Tool:** - इस tool का use करके rectangle or square shapes को बनाने के लिए किया जाता है।
- इसमें दो tool होते हैं:—
 - a) Rectangle Tool
 - b) 3 Point Rectangle
4. **Ellipse Tool:** - इस tool का use Oval shape या round shape drawing बनाने के लिए किया जाता है।
- इसमें दो tool होते हैं:—
 - a) Ellipse Tool
 - b) 3 Pointer Ellipse Tool
5. **Zoom Tool:** - इस tool से आप page के size को छोटा या बड़ाकर देखने के लिए किया जाता है।
- इस tool से mouse pointer magnify glass के रूप में बदल जाएगा, इसके center में '+' show होता है, इससे आकार बढ़ाने के लिए किया जा रहा है, यदि आप आकार घटाना चाहते हैं तो इस tool के साथ shift key का use करें। इससे mouse pointer के center का sign '-' में बदल जाएगा।
6. **Hand Tool:** - इस tool का use page को आगे – पीछे या ऊपर – नीचे करने के लिए किया जाता है। hand tool zoom tool का ही member है।
- H key is short key of hand tool इससे mouse pointer एक hand के रूप में बदल जाता है।
7. **Graph Paper Tool:** - इस tool का use page पर graph बनाने के लिए किया जाता है।
- D is short key of graph paper इससे mouse pointer graph के रूप में बदल जाएगा।
 - इसमें आप row & column की संख्या कम या ज्यादा भी कर सकते हैं। इसके लिए property toolbar में जाकर row & column की संख्या enter कर सकते हैं।
8. **Polygon Tool:** - यह tool graper paper का ही member है।



- इस tool का use polygon shape बनाने के लिए किया जाता है।
 - Y is short key of polygon tool.
 - Polygon की सभी arms equal बनाने के लिए Ctrl key का use करें।
 - इसमें arm की संख्या default 5 होती है, कम या ज्यादा करने के लिए property toolbar पर दिए गए numbers of points on polygon में arms की संख्या enter करके।
 - इस tool का use करके आप star & complex star बना सकते हैं।
 - Star में arms की संख्या बढ़ाने के लिए numbers of points on polygon field में arms की संख्या enter करें। इसकी arms को sharpness देने के लिए sharpness of polygon field में संख्या enter करके कर सकते हैं।
9. **Spiral Tool:** - It is also a member of graph paper tool. This tool is used for make the shape of spiral.
- A is short key of spiral tool. Shift key का use करके आप spiral को equal बना सकते हैं।
10. **Basic Shapes Tool:** - इस tool का use Basic Shape, Arrow, Flow Chart, Star बनाने के लिए किया जाता है।
- इस tool पर click करने से different types की list खुलेगी, इससे 5 types के tool होंगे। इस tool से related other shapes select करने के लिए property toolbar में perfect shape button पर click करें।
11. **Smart Drawing Tool:** - इस tool का use smart drawing बनाने के लिए किया जाता है।
- S is short key of smart drawing tool
12. **Free Hand Tool:** - इस tool का use free hand line बनाने के लिए किया जाता है।
- F5 key is short key of free hand tool.
 - Free hand Tool से अलग-अलग shapes की drawing बना सकती है।
 - Line के starting में arrowhead लगाने के लिए property toolbar में start arrowhead selector से arrowhead select कर सकते हैं।
 - Line के ending में end arrow head selector से arrowhead select कर सकते हैं।
 - Outline style बदलने के लिए property toolbar में जाकर outline style selector से style select करें।



- Freehand line को auto close curve में change करने के लिए auto close पर click करें।
- Line की width कम या ज्यादा करने के लिए property toolbar में outline width button पर click करके कर सकते हैं।
- Ctrl के साथ use करने से line straight

13. **Bezier Tool:** - It is also a member of freehand tool. इस tool का use एक बार में curve या freehand drawing बनाने के लिए किया जाता है।

- इस tool का use mostly किसी drawing के outline को trace करने के लिए किया जाता है।
- किसी shape या curve को बीच में ही बन्द करने के लिए auto-close curve से कर सब का use करें।

14. **Artistic Media Tool:** - इस tool का use artistic shape बनाने के लिए होता है।

- I is short key of artistic media tool.
- This tool is group of five tool like present, brush, sprayer, calligraphic and pressure.
- इसमें आप five types की shape बना सकते हैं।
- जब आप artistic media tool select करेंगे तब इन five tools की property bar में show हो जाएगी।
- हर tool की अलग-अलग property का use करके आप अलग-अलग shape and design बना सकते हैं।

15. **Pen Tool:** - इस tool का use shape तैयार करने के लिए होता है।

- इस tool का भी bezier tool की तरह mostly किसी drawing & picture की outline trace करने के लिए किया जाता है, और उस picture की outline तैयार कर सकते हैं।
- इस tool में point के through new shape तैयार होता है।

16. **Polyline Tool:** - इस tool का use lines के द्वारा new shape तैयार कर सकते हैं।

- ये tool mostly pen tool की तरह होता है।
- इस tool में आप line के आधार पर एक new shape तैयार कर सकते हैं।



17. **3 Point Curve Tool:** - इस tool का use curve बनाने के लिए किया जाता है।
- इस tool का use आप curve को 3Point बनाकर कर सकते हैं।
 - Curve की lines or nodes में changes के लिए property bar के options use कर सकते हैं।
18. **Interactive Connector Tool:** - इस tool का use connector lines बनाने के लिए लेते हैं।
- इस tool से किसी भी point पर connector line बना सकते हैं।
 - इसमें changes के लिए property bar से option का use कर सकते हैं।
19. **Dimension Tool:** - इस tool का use dimensional line or angle बनाने के लिए करते हैं।
- इस tool के 6 groups हैं –
 - a) Auto Dimension
 - b) Vertical Dimension
 - c) Horizontal Dimension
 - d) Slanted Dimension
 - e) Callout Dimension
 - f) Angular Dimension
 - इन 6 tool का use कर आप different-different types के shape बना सकते हैं।
 - Different types की angle line बनाने के लिए इसका use करते हैं।
20. **Shape Tool:** - किसी object या picture को इच्छानुसार shape देने के लिए इस tool का use करते हैं।
- F10 is short key of shape tool.
 - किसी object or drawing को इच्छानुसार cut करके set कर दसे new shape दे सकते हैं।
 - Line को curve में change करने के लिए property bar में convert line to curve option पर click करें।
21. **Knife Tool:** - इस tool से आप किसी object या picture को cut (काटने) के लिए होता है।
- जैसे आप Normaly knife से कोई चीज cut करते हैं। same इस tool में भी आप knife से किसी object or drawing को cut करते हैं।



22. **Easer Tool:** - Easer means to clear. इसलिए इस tool का use किसी object or picture के background को clear करने के लिए किया जाता है।
- इस tool के eraser की मोटाई कम या ज्यादा करने के लिए property bar में दिए option पर click करें।
23. **Smudge Tool:** - Smudge का अर्थ होता है लीपापोती करना। इस tool का use only curve किए गए object पर किया जाता है। इसके अलावा other image or object पर नहीं किया जाता है।
24. **Roughen Brush Tool:** - Rough means खुरखुरा बनाना। इस tool के use से object को rough बनाने के लिए होता है। इसका भी use only curve किए हुए object पर किया जाता है। other object or image पर नहीं।
25. **Free Transform Tool:** - Transform का अर्थ आकार बदलना या बाहरी रूप में change करना है।
किसी object पर 4 प्रकार से transform कर सकते हैं:—
- a) Rotation
 - b) Reflection
 - c) Scale
 - d) Screw
26. **Virtual Segment Tool:** - Segment का means भाग या खण्ड है।
- इस tool से हम किसी object के किसी part को Delete करने के लिए होता है।
 - इस tool को select कर उस part पर रखकर click करें जो part आप delete करना चाहते हैं।
27. **Interactive Blend Tool:** - Blend का means एक दूसरे को मिलाना है।
- किसी दो या more than two object को मिलाने के लिए इस tool का use करते हैं।
 - एक object को select कर blend tool की use से mouse से drag करके 2nd object पर click करते हैं तो एक new shape तैयार हो जाता है।
28. **Interactive Contour Tool:** - Object को contour करने के लिए इस tool का use होता है।
- किसी object में कई outline बनाने के लिए इस tool का use करें।
 - Tool select कर object पर click कर mouse से drag कर अन्दर या बाहर लेकर जा सकते हैं।



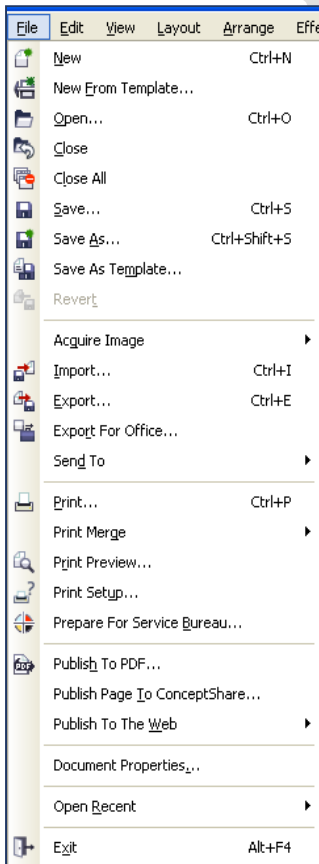
29. **Interactive Distortion Tool:** - Distortion का means है रूप बिगाड़ना।
- इससे object के आकार में new shape दे सकते हैं।
 - इस tool का use कर flower की कहीं अधिक Design बना सकते हैं।
30. **Interactive Drop Shadow Tool:** - किसी object की shadow तैयार करने के लिए किया जाता है।
- इस tool से object की अलग-अलग तरह की shadow तैयार कर सकते हैं।
 - Shadow तैयार करने के बाद आप उसमें change कर सकते हैं।
31. **Interactive Envelope Tool:** - Object को envelope बनाने के लिए इस tool का use किया जाता है।
- इस tool से object को envelope के रूप में अलग-अलग प्रकार की shape तैयार कर सकते हैं। Property bar में अलग-अलग option का use करके different types के envelope बना सकते हैं।
32. **Interactive Extrude Tool:** - Extrude means बाहर निकालना। object को बाहर की ओर निकालने के लिए इस tool का use होता है।
- इस tool से आप object और text को 3D में change कर new shape तैयार कर सकते हैं।
 - property bar के option use कर आप इसे different type में change कर सकते हैं।
33. **Interactive Transparency Tool:** - Transparency means पारदर्शिता। object को transpire बनाने के लिए इसका use कर सकते हैं। Text या object को extrude करने के बाद आप अनेक प्रकार के बदलाव कर सकते हैं property bar के option use करके।
34. **Eyedropper Tool:** - इस tool का use किसी object, image से color select करने के लिए किया जाता है। Eyedropper or paint bucket का group होता है। eyedropper color को select करने में use आता है और paint bucket उस color को fill करने में काम आता है।
- Eyedropper को select कर shift key के use से paint bucket tool भी select हो जाता है। इससे dropper से color select कर shift key के use से आप object में color fill कर सकते हैं।
35. **Outline Tool:** - इस tool का use किसी object पर outline लगाने के लिए किया जाता है।



- इससे आप outline की मोटाई, outline की styles, outline color set कर सकते हैं।
 - F12 is short key of outline tool.
Color: - इस option से आप outline का color set कर सकते हैं।
 - By default border black color का होता है।
Width: - इससे आप outline की width set कर सकते हैं।
 - Outline की width by default Hairline होती है।
Style: - इससे आप outline style change कर सकते हैं।
 - Outline style change करने के लिए edit line style option से कर सकते हैं।
Corner: - Outline के corner की style set करने के लिए इसका use करत हैं। Three option में से कोई भी option select कर style change कर सकते हैं।
Line Caps: - Line के Nodes के caps को change करने के लिए use लेते हैं।
Behind Fill: - यदि आप outline को object के पीछे set करना चाहते हैं तो इसे right (v) click कर set करें।
Scale with Image: - Outline को image scale के अनुसार set करने के लिए इस option के आगे right (v) click करें।
Arrows: - Outline के arrow की style insert करने के लिए।
Options: - Outline के arrow को नए रूप में सेट कर सकते हैं।
Calligraphy: - Outline को अपनी इच्छानुसार सुन्दर बनाने के लिए, इसमें stretch & angle option का use करें।
36. **Fill Tool:** - किसी object में color fill करने के लिए इस option का use करते हैं।
- **Fill Color:** - इस option से uniform fill dialogue box show होगा।
 - Shift + F11 key is short key
 - इस dialogue box में 3 tabs होता है।
 - a) Models
 - b) Mixers
 - c) Deletes
 - इन 3 option का use करके object में color fill करें।
 - **Foundation Fill:** - Foundation fill dialogue is short key F11 key है।
 - **Pattern Fill:** - Object में pattern fill करने के लिए इस option का use होता है।



- इसमें कोई option होंगे इन option का use कर अलग-अलग प्रकार के pattern बनाकर उसे object में set कर सकते है।
 - **Texture Fill:** - Object में texture fill करने के लिए इस option का use होता है।
 - **Post Script Fill:** - Post script texture fill करने के लिए इस option का use किया जाता है।
 - Texture select कर उसका preview देखने के लिए preview fill option पर right (V) click करें।
37. **Interactive Fill Tool:** - Object में interactive रूप में color fill करने के लिए use किया जाता है।
- इससे pattern, texture का use interactive के लिए कर सकते है।
 - G is short key
38. **Interactive Mesh Fill Tool:** - Object में भरे color, pattern, texture में change करने के लिए इस option का use करते है।
- M is short key of interactive Mesh fill tool.
 - इस select करते ही object पर red lines बन जाती है।
 - इस lines पर छोट-छोटे square box show होंगे।
 - इन box का use करके आप object के color, pattern, texture में change कर सकते है।



File Menu: -

1. **New:** - Ctrl + N is short key of new drawing.
 - Button bar पर बने new पर click कर इसे खोल सकते है।
 - File menu में new command पर click करें।
2. **New from Template:** - इस option का use new drawing open करने के लिए किया जाता है पर के option new command से different है।
 - इसमें पहले से default बने template ही खुलते है।



- इसमें आप selected template का print preview देखना चाहते हैं। तो dialogue box के include graphic radio button पर right (V) click कर set करें।
- 3. **Open:** - पहले से बनी हुई drawing open करने के लिए किया जाता है।
 - Ctrl + O is short key.
- 4. **Close:** - Drawing को बन्द करने के लिए इसका use करते हैं।
 - अगर file save नहीं है तो corel draw की उस drawing को close करने से पहले save का option आएगा save करनी हो तो yes करें नहीं तो no button पर click करें।
- 5. **Close All:** - सभी खुली हुई file को एक साथ close करने के लिए इस option का use होता है।
- 6. **Save:** - किसी drawing को save करने के लिए इस option का use होता है।
 - Ctrl + s is short key
 - Version:** - Save की गई drawing का version show होता है।
 - अगर आप drawing को other version में save करना चाहते हैं तो option पर click कर version select करें।
 - Upper version की drawing को lower version में नहीं खोल सकते हैं।
 - Thumbnail:** - यह option save drawing के thumbnail color को show करता है।
 - Save as Type:** - Corel draw में drawing को आप किसी other format में भी save कर सकते हैं।
 - Drawing को other format में save करने के लिए यहा से format select करें।
- 7. **Save As:** - Save की गई file को किसी other Name से save करने के लिए इस option का use किया जाता है।
 - Ctrl + Shift + S is short key
- 8. **Revert:** - Drawing में की गई गलती जो सुधर नहीं सकती उस condition में revert option का use होता है।
- 9. **Import:** - किसी भी JPG image को open करने के लिए इसका use करते हैं।
 - Ctrl + I is short key
- 10. **Acquire Image:** - किसी भी drawing को या image को scan करने के लिए करते हैं।



11. **Export:** - किसी भी drawing को JPG image में save करने के लिए इसका use करते हैं।
 - Ctrl + E is short key
12. **Export for office:** - MS-Office word में बनी file को corel में लाने के लिए इसका use करते हैं।
13. **Send To:** - Drawing को किसी location में send करने के लिए इसका use किया जाता है।

इसमें following option show होंगे—

 - Compressed (Zipped Folder)
 - Desktop (Creat Shortcut)
 - Mail Recipient
 - My Document
 - Mail
14. **Print:** - बनी हुई drawing का या file का Print देने के लिए इसका use करते हैं।
 - Ctrl + P is short key
15. **Print Preview:** - बनी हुई file का print preview देखने के लिए इसका use करते हैं।
16. **Print Setup:** - Drawing printer को set करने के लिए इसका use किया जाता है।
 - Printer की setting करने के लिए print setup dialogue box में properties पर click करें।
17. **Prepare For Service Bureau:** - जब हम drawing को print के लिए भेजते हैं तो इसमें use किए font का print नहीं निकलता, जिससे drawing की design change हो सकती है।
 - इस option के use से आप अपनी drawing के साथ use किए font को भी export कर सकते हैं।
18. **Publish To The Web:** - Drawing को webpage के रूप में export करने के लिए किया जाता है।
 - इस option से drawing को web से connect कर सकते हैं और internet browser की help से देख सकते हैं।



- 3 Option से हम drawing को webpage के रूप में export कर सकते हैं।

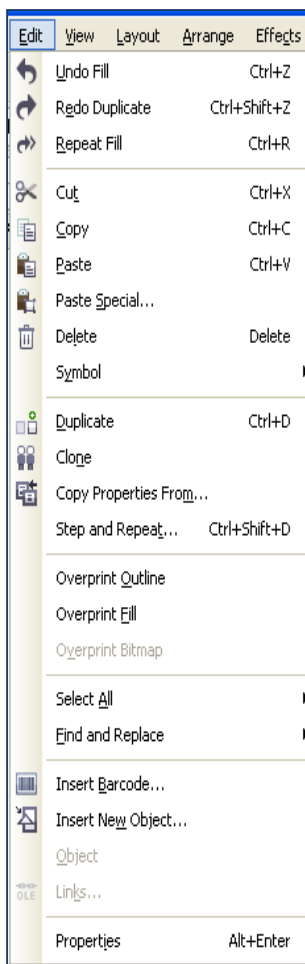
- a) HTML
- b) Flash Embedded in HTML
- c) Web image Optimizer

19. **Publish To PDF:** - किसी भी drawing or file को PDF में convert करने के लिए इस option का use करते हैं।
20. **Document Info:** - Drawing से related information को show करने के लिए इस option का use किया जाता है।

Edit Menu: -

1. **Undo:** - Drawing में जो last effect को clear करने के लिए किया जाता है।

- Ctrl + Z is short key



2. **Redo:** - Undo command के effect को clear करने के लिए इस option का use किया जाता है।

- Ctrl + Shift + Z is short key

3. **Repeat:** - Repeat means दोहराना होता है। last command को repeat करने के लिए इस option का use होता है।

- Ctrl + R is short key

4. **Cut:** - किसी भी text या object को cut करने पर वह अपनी place से replace हो जाता है और हम cursor की help से अपनी इच्छानुसार paste कर सकते हैं।

5. **Copy:** - किसी document में text या object को copy करने पर इसकी duplicate copy कर सकते हैं।

- Ctrl + C is short key

- Cut or Copy करने पर text or object keyboard की memory में आ जाता है। keyboard की memory में अस्थायी memory होती है जो last copy & cut की copy को save रखती है।

6. **Paste:** - Cut or copy किए हुए text or object को किसी other place पर रखने के लिए paste करते हैं।



- Ctrl + V is short key
7. **Paste Special:** - इस option से आप किसी text, object or image एक link के रूप में paste करने के लिए किया जाता है।
- किसी other application को object के रूप में खोल सकते हैं।
8. **Delete:** - Select किए हुए text, object or image को हटाने के लिए delete का use करते हैं।
9. **Symbol:** - इस option के use से symbol पर कार्य करने के लिए किया जाता है।
- इस option से आप new symbol तैयार कर सकते हैं।
 - इस object को symbol बनाकर set कर सकते हैं।
10. **Duplicate:** - इस option के use से object का duplicate तैयार करने के लिए किया जाता है।
- Ctrl + D is short key
 - यह option केवल object पर ही कार्य करता है।
11. **Copy Properties From:** - इस command का use किसी object की properties को दूसरे object में लागू करने के लिए किया जाता है।
- इस dialogue box में चार button होते हैं। आप इनमें से जिस प्रकार के effect को selected object पर लागू करना चाहते हैं तो उसे right (V) click पर ok करें।
 - Black Arrow Show होगा फिर उस object पर ले जाकर mouse button से click कर जिसकी properties को select किए गए object पर लागू करना चाहते हैं।
12. **Overprint Outline:** - इस option का use object की outline को overprint के रूप में set करने के लिए किया जाता है।
- यह option तभी खुलेगा जब object select होगा।
13. **Overprint Fill:** - Object में भरे हुए रंग को overprint के रूप में set करने के लिए किया जाता है।
14. **Select All:** - सभी drawing को एक साथ select करने के लिए use करते हैं।
- इसमें 4 Option Show होंगे—
- a) Object
 - b) Text
 - c) Guidelines



d) Nodes

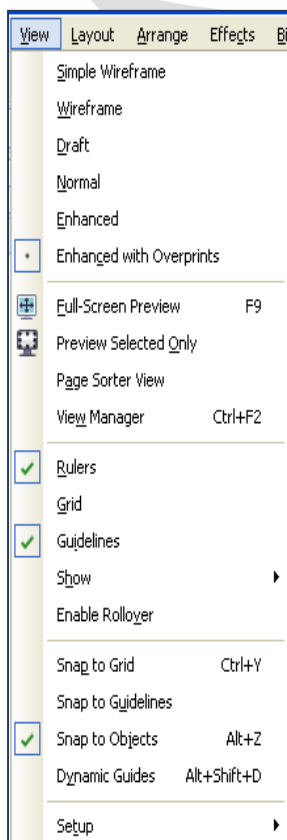
- जिस option को एक साथ select करना चाहते हैं उस option पर click करें।
15. **Find and Replace:** - इस option का use generally find करने और उसे बदलने के लिए होता है।
- Corel में इसका use अलग तरह से होगा।
 - इसमें 5 option show होंगे।
 - a) Find objects
 - b) Replace objects
 - c) Find Text
 - d) Replace Text
 - e) Recent Search
- a) **Find Objects:** - इस option का use object को खोजने के लिए किया जाता है।
- b) **Replace Objects:** - इस option का use object को खोजकर उसे नए object में बदलने के लिए किया जाता है।
- c) **Find Text:** - किसी text को खोजने के लिए इस option का use किया जाता है।
- d) **Replace Text:** - किसी text को खोजकर उसे new text के साथ बदलने के लिए किया जाता है।
- e) **Recent Search:** - इस option में document में अभी-अभी search किए गए object or text show करता है।
- अगर आपने document में किसी प्रकार का search नहीं किया है तो यह option active नहीं होगा।
16. **Insert Internet Object:** - Internet से related object को insert करने के लिए इस option का use होता है।
17. **Insert Barcode:** - इस option का use barcode insert करने के लिए होता है।
- इस option के use से आप अलग-अलग प्रकार के barcode insert कर सकते हैं।
 - Barcodes lines का ऐसा group होता है जिससे through किसी भी thing के code, Rate & number show होते हैं।
18. **Insert Object:** - किसी object को insert करने के लिए इस option का use होता है।



- इससे आप other program में prepare किए data को मूल रूप में direct corel document में embed कर सकते हैं।
- 19. **Object:** - Insert किए object में change करने के लिए इस option का use होता है।
- 20. **Link:** - यह option insert किए गए document के link को show करने के लिए किया जाता है।
- इस option तभी active होगा जब आप किसी text or object को link के रूप में insert or paste करते हैं।

View Menu: -

1. **Simple Wireframe:** - Drawing का view show करने के लिए इसका use करते हैं।
- Corel में किसी भी प्रकार की drawing के view 5 types के होते हैं—
 - a) Simple Wireframe
 - b) Wireframe
 - c) Normal
 - d) Draft
 - e) Enhance



- Simple Wireframe & Wireframe में drawing only wireframe के रूप में show किया जाता है इससे drawing का original look show नहीं होता।

- Draft or normal में drawing का only general look show होता है जबकि enhance में drawing का original look show होता है।

2. **Full Screen Preview:** - इसका use drawing का preview पूरी screen पर show करने के लिए किया जाता है।

- F9 is short key

3. **Preview Selected Only:** - इस option का use only selected object का preview देखने के लिए किया जाता है।

4. **Page Sorter View:** - इसका use drawing के सभी page को एक साथ show करने के लिए करते हैं



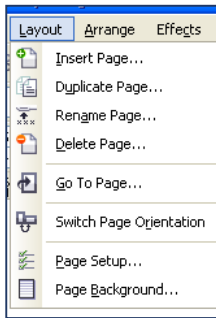
- इससे बाहर निकलने के लिए फिर से page sorter view option पर click करें।
- 5. **Ruler:** - यह option ruler को show और hide करने के लिए किया जाता है।
- 6. **Grid:** - यह option drawing में grid को show or hide करने के लिए किया जाता है।
 - Grid से corel में work करने में help होती है, इससे only drawing or object को manage कर सकते हैं, यह line print में show नहीं होती है।
- 7. **Guidelines:** - यह option Guidelines को show और hide करने के लिए किया जाता है।
 - यह guidelines भी grid line की तरह corel में drawing को simple बनाने में help करती है और only drawing or object को manage करती है।
- 8. **Show:** - इसमें 5 option show होते हैं—
 - a) Page Border
 - b) Bleed
 - c) Printable Area
 - d) Overprinted Object
 - e) Text Frames
 - इन 5 option को show or hide करने के लिए इसका use होता है।
 - Page Border:** - इस option का use page border को show or hide करने के लिए किया जाता है।
 - Bleed:** - इस option से page के चारों ओर dotted lines show होगी।
 - आप page border को हटाकर इस option का use कर सकते हैं।
 - Printable Area:** - Print योग्य area को set करने के लिए इसका use किया जाता है।
 - इससे page के चारों ओर double dotted line show होगी।
 - Overprinted Object:** - इस option का use over printed object को show hide करने के लिए किया जाता है।
 - अगर आप इस option को hide करते हैं तो overprinted object पर किए गए कार्य का effect show नहीं होगा।
 - Text Frames:** - इससे text frames को show or hide किया जाता है।
 - यह option जब किसी text को text frame बनाकर type करते हैं तो यह frame को dotted line द्वारा show करता है।



9. **Enable Rollover:** - अगर आप rollover command का use करना चाहते हैं और command work नहीं कर रहा तब इस option पर click करें इसे highlight करें।
10. **Snap to Grid:** - इस option का use किसी object को grid lines के साथ snap करने के लिए होता है।
- Gridline horizontal & vertical के रूप में show होती है, इन line में center में एक fix snap होता है, जिसे आप अपनी इच्छानुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं। इसके लिए view menu में grid & ruler setup option पर click करें।
11. **Snap to Guidelines:** - Object को guideline के साथ snap करने के लिए इसका use किया जाता है।
- जब guidelines show होगी तभी यह option work करेगा।
 - Guideline horizontal or vertical के रूप में होती है। इन lines को ऊपर या बाएं के ruler से निकालकर किसी भी निश्चित स्थान पर सेट करें।
 - यह lines by default blue color की होती हैं जो select करने के बाद red color की हो जाती हैं। Guidelines का color select करने के लिए view menu में guidelines setup option पर click करें।
12. **Snap to Objects:** - Object को किसी other object के साथ snap करने के लिए इसका use किया जाता है।
- Ctrl + V is short key
 - Object को अलग-अलग node में सेट करने के लिए view menu में snap to objects setup option पर click करें।
13. **Dynamic Guide:** - Dynamic guide lines को show or hide करने के लिए किया जाता है।
- All + Shift + D is short key
 - Dynamic guide lines हमें किसी भी object को तैयार करने, align करने, move करने में help करती हैं।
 - इससे object का angle or direction का पता लगता है।
 - ये line तभी show होती हैं जब आप इन्हें किसी drawing object के ऊपर या पास लेकर जाते हैं।
 - इन lines को set करने के लिए view menu में dynamic guide setup option पर click करें।

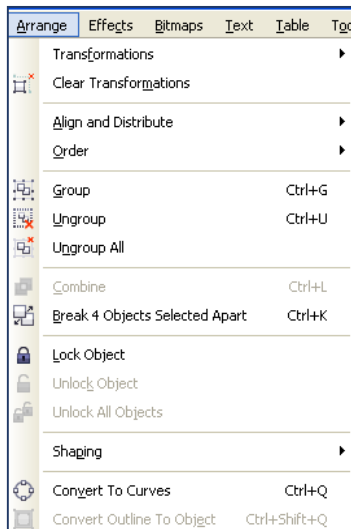


Layout Menu: -



1. **Insert Page:** - Corel draw में new page add करने के लिए इस option का use होता है।
 - अन्तिम page पर जाने के लिए page down and first page पर जाने के लिए page up key का use करें।
2. **Delete Page:** - Corel draw के page को delete करने के लिए इसका use किया जाता है।
 - Corel draw में आप कहीं से भी page हटा सकते है।
 - दो या दो से अधिक pages को एक साथ हटाना चाहते है तो delete dialogue box में through to page option पर click करें।
3. **Rename Page:** - Page के नाम को बदलने के लिए use किया जाता है।
4. **Go to Page:** - Page down or page up से only first and last page पर जा सकते है। अपने एच्छिक page पर जाने के लिए go to page option पर click करें।
5. **Switch Page Orientation:** - Selected page का orientation बदलने के लिए किया जाता है।
 - Orientation are of two types: -
 - a) Portrait
 - b) Landscape
6. **Page Setup:** - Page का layout set करने के लिए इस option का use किया जाता है।
 - Layout Menu में page setup option से setting में changes कर सकते है।
 - Guide line, ruler, workspace से related setting कर सकते है।
7. **Page Background:** - Page के background को set करने के लिए इस option का use करते है।
 - Background हटाने के लिए no background option पर click करें।
 - Colorful background के लिए solid, image or design के लिए bitmap option पर click कर browse पर click करे। import dialog box से background fil select कर ok पर click करे।

Arrange Menu: -



1. Transformations: - object के आकार व स्थिति के बदलाव को transformation कहते हैं।

- Object के size व position में changes के लिए इसका use होता है।

- Followings are transformations option:-

- Position
- Rotation
- Scale
- Size
- Skew

a) **Position:** - Object के place को change करने के लिए किया जाता है।

- Alt + F7 is short key.
- इस dialogue box में relative position option का use कर position change कर सकते हैं।
- किसी changes को duplicate object पर apply करना चाहते हैं तो apply to duplication पर click करें।

b) **Rotation:** - Object को rotate करने के लिए इस option का use होता है।

- Alt + F8 is short key
- Dialogue box से relative centre option का use करके object को घुमा सकते हैं।

c) **Scale:** - Object के size को change करने के लिए इस option का use करते हैं।

- Alt + F9 is short key.

d) **Size:** - इसका भी use object की size change करने के लिए किया जाता है।

- Alt + F10 is short key.

e) **Skew:** - Object के shape को change करने के लिए किया जाता है।

2. Clear Transformations: - इस option से object के आकार व स्थिति में बदलाव होता है।

- Object को वास्तविक स्थिति में लाने के लिए इस option का use करते हैं।

3. Align and Distribute: - Object को किसी कम में सेट करने के लिए किया जाता है।

- Object को कम से सेट करने के लिए following option का use करते हैं।



- a) Align left
 - b) Align right
 - c) Align top
 - d) Align bottom
 - e) Align centers horizontally
 - f) Align centers vertically
 - g) Center to page
 - h) Center to page horizontally
 - i) Center to page vertically
4. **Order:** - Object को ऊपर-नीचे के क्रम में सेट करने के लिए इसका use किया जाता है।
- इसका use कई प्रकार से कर सकते हैं।
- Followings are Types: -
- a) **To Front:** - Selected object को सभी objects के ऊपर लाने के लिए।
Shift + Page Up is short key.
 - b) **To Back:** - Selected object को सभी objects के नीचे लाने के लिए।
Shift f+ Page Down is short key
 - c) **Forward One:** - Selected object को एक step ऊपर लाने के लिए।
Ctrl + Page Up is short key
 - d) **Back One:** - Selected object को एक step नीचे ले जाने के लिए।
Ctrl + Page Down is short key
 - e) **In Front Of:** - Selected object को किसी other object के ऊपर ले जाने के लिए।
 - f) **Behind:** - Selected object को किसी other object के नीचे ले जाने के लिए।
 - g) **Reverse order:** - Selected object के क्रम को उलटने के लिए।
 - दो या दो से अधिक object select होने पर ऊपर के object को नीचे और नीचे के object को ऊपर आ जाएगा।
5. **Group:** - कई object, drawing को एक group में करने के लिए किया जाता है।
 - Ctrl + G is short key
6. **Ungroup:** - Group किए हुए object को ungroup करने के लिए किया जाता है।
 - Ctrl + U is short key

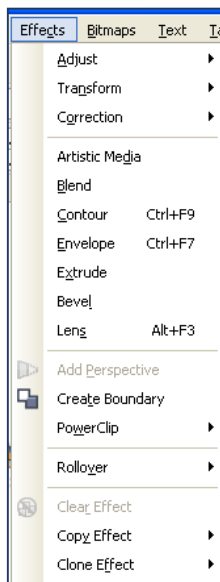


- Corel draw में group में group हो सकता है यह command only एक ही स्तर पर ungroup होगा, यदि आप group के सभी parts को अलग-अलग करना चाहते हैं तो ungroup all command का use करें।
- 7. **Combine:** - Corel में कई line, curve or shapes को मिलाकर एक object बना सकते हैं।
 - यदि मूल object एक दूसरे के ऊपर आते हैं, तो उस field को नए object में से हटा दिया जाता है और बीच का स्थान खाली हो जाता है।
 - Ctrl + L is short key
- 8. **Break A Part:** - कई lines, curves and shapes को मिलाकर एक object बना सकते हैं और बने हुए object को तोड़ सकते हैं।
 - Ctrl + K is short key
- 9. **Lock or Unlock Object:** - किसी object को उसके वर्तमान स्थान पर lock कर सकते हैं। फिर उस object को उस स्थान से न हटा सकते हैं और न delete कर सकते हैं। और न ही उसका shape बदला जा सकता है।
 - आप किसी object या कई objects के group को lock कर सकते हैं। changes करने के लिए पहले unlock करना पड़ेगा।
- 10. **Shaping:** - Object को new shape देने के लिए इसका use किया जाता है। इसमें दो या दो से अधिक objects के द्वारा नया object बना सकते हैं।
 - Object को कई प्रकार से तैयार कर सकते हैं। following option are show
 - a) Weld
 - b) Trim
 - c) Intersect
 - d) Simplify
 - e) Front Minus Back
 - f) Back Minus Front
 - g) Shapping
 - a) **Weld:** - Weld means जोड़ना या टाँका लगाना।
 - छो या दो से अधिक objects को जोड़कर एक नया object बना सकते हैं।
 - इसमें object को जोड़ने के बाद तोड़ नहीं सकते।
 - b) **Trim:** - किसी object को काटकर उसे नया shape दे सकते हैं।
 - c) **Intersect:** - Intersect means दो टुकड़े करना या एक दूसरे को cut करना।



- इस option के use से आप दो या दो से अधिक objects का use करके उनके बीच का टुकड़ा काट सकते हैं।
- d) **Simplify**: - इस option से आप किसी भी object को cut करके उसे एक नया shape दे सकते हैं। इस option का use trim option की तरह ही किया जात है।
- e) **Front Minus Back**: - इस option के use से किसी भी object को काटकर उसे एक नया shape दे सकते हैं।
- इसमें ऊपर वाले object को नीचे वाले object के अनुसार काटा जाता है।
- f) **Back Minus Front**: - यह option front minus back command का opposite है।
- इसमें नीचे वाले object को ऊपर वाले object के अनुसार काटा जाता है।
- 11. **Convert To Curves**: - यह option text को object में बदलने के लिए किया जाता है।
 - Text के साथ भी object की तरह कार्य कर सकते हैं।
 - Text का shape और size font के अनुसार बना रहता है but यह font पर depend नहीं होता।
 - Ctrl + Q is short Key
- 12. **Convert Outline to Object**: - Outline को object में change करने के लिए इसका use होता है।
 - Ctrl + Shift + Q is short Key

Effect Menu: -



1. **Adjust**: - इसका use image को adjust करने के लिए किया जाता है।

- इस command का use कई प्रकार से किया जाता है।
- इसमें कई option होते हैं:-

a) **Contrast Enhancement**: - इस option का use image में contrast (चमक) को कम या ज्यादा करने के लिए किया जाता है।

- Dialogue box से contrast को set कर सकते हैं।

b) **Local Equalization**: - Image का equalization करने के लिए किया जाता है।



- c) **Sample/Target Balance:** - Image के color को change करने के लिए इसका use किया जाता है।
- इससे आप sample में वह color select करे जिसे आप change करना चाहते है और target में वह color select करे जिसके साथ change करना चाहते हैं।
- d) **Tone Curve:** - इस command का use image में lightness or darkness show करने के लिए किया जाता है।
- इसे आप curve के माध्यम से image में lightness or darkness set कर सकते है।
- e) **Brightness/Contrast/Intensity:** - इस option के use से image में brightness, contrast or intensity set करने के लिए है।
2. **Transform:** - इस option से image व object का shape change करने या बाहरी रूप में changes के लिए किया जाता है।
- The followings types are: -
- a) **De Interlace:** - इस option के use से image के pixel को बिखरने के लिए किया जाता है।
- b) **Invert:** - इस option का use image को उल्टा करने के लिए करते है।
- इससे select किए गए image पर different type का effect show होगा।
- c) **Posterize:** - इस option से image को posterize करने के लिए करते है।
3. **Correction:** - Image को graphic में change करने के लिए इसका use करते है।
- इससे image पर धूल व scratch के effect उत्पन्न कर सकते है।
 - Dust & Scratch Dialogue box से आवश्यकतानुसार यशोतड व radius की value enter कर सकते है।
4. **Artistic Media:** - Artistic Shape तैयार करने के लिए इसका use किया जाता है।
- यदि आप किसी rectangle, circle & lines को artistic shape में change कर सकते है।
5. **Blend:** - Blend means एक दूसरे को मिलना है।
- दो या दो से अधिक objects को एक दूसरे से मिलाने के लिए किया जाता है।
 - Blend panel में number of steps में blending की संख्या enter करें।
6. **Contour:** - Object में contour में करने के लिए किया जाता है।
- आप contour centre में inside में और outside में set कर सकते है।

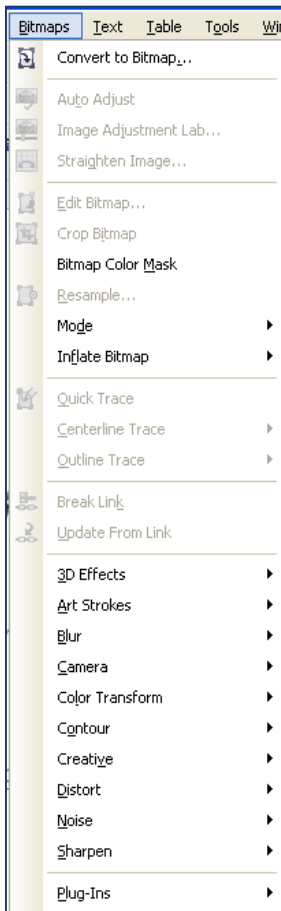


- Dialogue box में effect field में contour के बीच की दूरी और steps field में contour की संख्या enter करें।
7. **Envelop:** - Object को envelope के रूप में बनाने के लिए किया जाता है।
- इस option से आप object को envelope के रूप में अलग-अलग प्रकार की shape में तैयार कर सकते हैं।
 - यदि आप अपनी इच्छानुसार shape देने के लिए add new button पर click करें।
8. **Extrude:** - इस option का use object को बाहर की ओर निकालने के लिए किया जाता है।
- Object को extrude करने के बाद भी उसमें changes कर सकते हैं।
 - Extrude panel में जाकर edit button पर click करें, 3D lines show होगी।
 - अब color wheel से colour select करें।
9. **Lens:** - इस command का use image पर lens का effect डालने के लिए किया जाता है।
- जिस image पर आप lens का effect डालना चाहते हैं उस image को import करें।
 - Lens Pannel में drop-down box से lens का type select करें।
10. **Add Perspective:** - Perspective means स्वरूप। इस option के use से आप object को नया shape दे सकते हैं।
- इस object पर red lines का graph and object के चारों कोनों पर एक छोटा सा box बन जाता है।
11. **Power Clip:** - इस option के use से किसी image, graph or object को किसी other object में जोड़ने के लिए किया जाता है।
- पहले image को import करें फिर एक object (Rectangle, circle) तैयार करें जिसमें image रखना चाहते हैं।
 - किसी image को object में किसी निश्चित स्थान पर लगाने के लिए effect menu से power clip में edit contents option पर click करें फिर object edit हो जाएगा और आप image को object के अनुसार set कर सकते हैं।
 - editing को finish करने के लिए effect menu से power clip में finish editing this level पर click करें।
 - Image को object से अलग करने के लिए इसे select करके effect menu से power clip में extract content पर click करें।



12. **Rollover:** - किसी text or object को roll करने के लिए इसका use किया जाता है।
- Rollover को 3 types से set करते हैं।
 - a) **Normal:** - जब mouse pointer को उसके ऊपर से घुमाया जाता है तब pointer साधारण button के सामान होता है।
 - b) **Over:** - इसमें जब mouse को उसके ऊपर घुमाया जाता है तो अन्दर या बाहर की तरफ रोल होता है।
 - c) **Down:** - इसमें जब mouse को उसके ऊपर से घुमाया जाता है तो यह नीचे की तरफ रोल होता है।
 - P
 - Rollover के effect set करने के लिए आगे दिए गए drop-down list से उपयुक्त option URL, Sound Or Bookmark select करें।
 - Roller editing finish करने के बाद rollover के effect को show करने के लिए view menu में enable rollover option पर click करें।
13. **Clear Effects:** - किसी object में डाले गए effect के effect को finish करने के लिए इसका use किया जाता है।
14. **Copy Effects:** - इस option के use से डाले गए effect को copy करने के लिए किया जाता है।
- एक ही object पर कई प्रकार के प्रभाव डाले जाते हैं। effects को copy करने के लिए इसका use किया जाता है।
15. **Clone Effects:** - clone means एक प्रकार का duplicate तैयार करना है।
- इस option का use object पर डाले गए effects का clone तैयार करने के लिए किया जाता है।
 - यह option copy effect option की तरह ही है।
 - दोनों में difference यही है कि इसमें copy किए effect का केवल clone तैयार होता है।
 - जबकि copy effect में सभी effect copy होकर नए object पर लागू होते हैं।

Bitmaps Menu: -



1. **Convert to Bitmap:** - Image को bitmap में change करने के लिए इसका use होता है।

- इस dialogue box से option का आवश्यकतानुसार select करें।
- Image के लिए color option से color select करें और resolution option से resolutions select करें।

2. **Edit Bitmap:** - Image को bitmap के रूप में edit करने के लिए इसका use किया जाता है।

- Image पर double click करके भी यह option खोल सकते हैं।
- Alt + F4 is short key
- Image में किए गए changes को save करने के लिए save dialogue box show होगा, yes button पर click करके changes को save करें।
- Ctrl + S is shortcut of to save the change after closing the image.

3. **Crop Bitmap:** - Bitmap image को cut करने के लिए किया जाता है।

- Bitmap image में convert करें फिर shape tool से image को cut करके उसका बाहरी दायरा set करें। इसमें image set किए गए बिन्दुओं के अनुसार set हो जाएगी।
- Image को set किए गए points के अनुसार काटने के लिए bitmap menu में जाकर crop bitmap option पर click करें।

4. **Trace Bitmap:** - इस command का use image को bitmap के रूप में trace करने के लिए किया जाता है।

- इससे bitmap image को outline के रूप में trace कर सकते हैं।
- इसके लिए bitmap menu में trace bitmap option पर click करें।

5. **Resample:** - इस option का use bitmap image के आकार और resolution में changes करने के लिए किया जाता है।

- यह command only bitmap image पर ही काम करेगा। इससे पहले image को bitmap image में convert करें।



- Resample dialogue box से image का new shape and resolution enter करके ok पर click करें।
6. **Mode:** - इस option के use से आप bitmap image को different-different mode में set कर सकते हैं।
- जब आप image को coral draw में insert करते हैं तो उसका mode कुछ भी हो सकता है। इससे आप फिरसे किसी other mode में set कर सकते हैं।
7. **Inflate Bitmap:** - Inflate means फुलाना होता है।
- इस command से आप bitmap image को फुलाकर उसका दायरा बढासकते हैं।
 - इसमें दो option how होंगे।
- a) Auto Inflate Bitmap
- b) Manually Inflate Bitmap
- Image को उसके कूल आकार में रखने के लिए auto inflate bitmap option का use करें।
- यदि आप image को उसके मूल आकार से बड़ा करना चाहते हैं तो manually inflate bitmap option का use करें।
 - Dialogue box से image की width or height enter करके ok पर click करें। आप width or height को %age में भी enter कर सकते हैं।
8. **Bitmap Color Mask:** - Image पर bitmap color mask लगाने के लिए इसका use होता है।
- Bitmap color mask dialogue box से color select कर उसे image पर लागू कर सकते हैं।
 - इसमें colors को show करने के लिए show color option को select करें।
 - different – different color select करने के लिए window में दिए गए color selector Or edit color का use करें। Tolerance set करके apply button पर click करें।
 - इससे selected किए गए color के अनुसार mask image पर apply हो जाएगा। mask को save करने के लिए save button पर click करें mask को हटाने के लिए delete button पर click करें।
9. **Break Link:** - इस option का use bitmap image के link को break करने के लिए किया जाता है।



- यह option तभी काम करेगा जब आप किसी bitmap image को link बनाकर import करेंगे।
- Link को तोड़ने के लिए bitmap menu में break link option पर click करें।
- Ctrl + I is short key of import command
- Import dialogue box से link bitmap externally option पर click करके image का link बना सकते हैं।
- Link किए गए image को update करने के लिए update from link command का use करें।

10. **Special Effects of Bitmap:** - Corel draw के इस option से आप bitmap पर कुछ विशेष प्रकार का effect डाल सकते हैं।

- Image पर इन effect का use करके आप image को एक नया रूप दे सकते हैं।
- Different – different types के effect का प्रभाव भी अलग है।

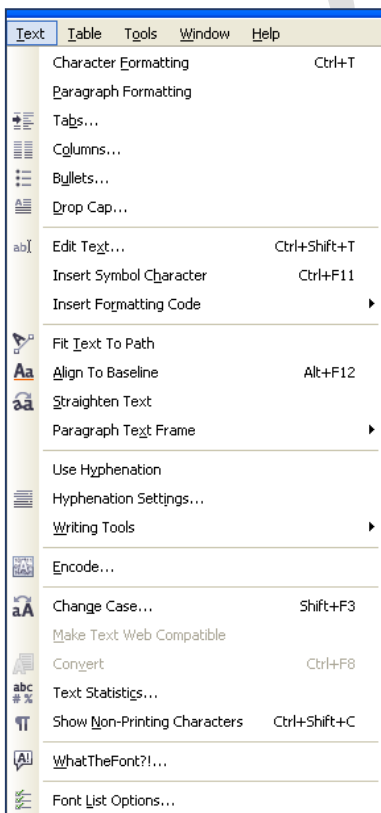
a) **Page Curl:** - Curl means घुँघुराला बनाना। इस option को use curl बनाने के लिए किया जाता है।

- इसका use करने के लिए bitmap menu में 3D effects में जाकर show होगा।

b) **Sketch pad:** - Image की sketching करने के लिए किया जाता है।

- इसका use करने के लिए bitmap menu में art strokes में sketch pad पर click करें।

- किसी image को link बनाकर import करने पर special effects related command work नहीं करेगी, इसके लिए break link option के use से पहले link को तोड़ना होगा।



Text Menu: -

1. **Format Text:** - इस option का use से text को format करने के लिए किया जाता है।

- Ctrl + T is short key
- Format text dialogue में कई tab दिए गए हैं, इनका use different-different work के लिए किया जाता है।

a) **Character:** - यह tab text के character option को show करता है।



- यहाँ से आप character का font, font की size and font style select कर सकते हैं।
- इसके अलावा आप character को underline, character को upper case, lower case भी set कर सकते हैं।
- character को base line से ऊपर-नीचे करने या उसे किसी angle पर घुमाने के लिए dialogue box में shift option का use करें।
- b) **Paragraph:** - यह tab paragraph option को show करता है इसमें आप character का alignment set करने के लिए alignment box में सही alignment select करें।
- यदि आप character and word के बीच space देना चाहते हैं तो character & word option का use करें।
- यदि आप paragraph में lines के बीच space देना चाहते हैं तो line option का use करते हैं।
- Character की direction set करने के लिए text direction से orientation option select करें।
- c) **Tab:** - इसमें आप text के लिए use किए जाने वाले tab को set कर सकते हैं।
- New tab लगाने के लिए add tabs every button पर click करें।
- d) **Columns:** - ये tab text के columns को show करता है।
- इस tab से आप selected text को अलग-अलग column में differentiate कर सकते हैं।
- text को column में differentiate करने के लिए number of columns field में column की value enter करें।
- यदि आप column की width equal करना चाहते हैं तो equal column width option पर right click show करें।
- e) **Effects:** - यह tab text के effect को show करता है।
- इस tab द्वारा आप selected किए गए text पर bullet OR drop cap लगा सकते हैं। इसके लिए effect type field में bullet OR drop cap का option select करें।
- Bullet option select करते हैं तो उसके नीचे bullet का font OR bullet का symbol show होगा।
- Size field की value बढ़ाकर bullet की size बढ़ा सकते हैं।



- Drop Cap Option में dropped lines option से आप drop cap के लिए lines की value enter कर सकते हैं।
- 2. **Edit Text:** - इस option का use text में change करने के लिए किया जाता है।
 - Text Menu में edit text option पर click करें।
 - Ctrl + Shift + T is short key
 - Edit text dialogue box से आप text में changes कर सकते हैं।
- 3. **Insert Character:** - इस option का use character को insert करने के लिए किया जाता है।
 - Coral में text type करते time हमें कुछ ऐसे character की जरूरत होती है जो generally keyboard पर नहीं होते। इसके लिए insert character option का use कर character को text में ला सकते हैं।
 - इसके लिए text menu में insert character option पर click करें यह option corel window के right side में show होता है।
- 4. **Fit Text to Path:** - इस option के use से text को selected path के अनुसार set करने के लिए किया जाता है।
 - इसके use से आप text को किसी line, circle के साथ उसके अनुसार लगा सकते हैं।
 - इसके लिए text and object दोनों को साथ select करें जिसे आप path में set करना चाहते हैं।
 - अब text menu में fit text to path option पर click करें, इससे text selected किए object के अनुसार set हो जाएगा।
 - इस text को इच्छानुसार ऊपर-नीचे, दाँए-बाँए set कर सकते हैं, इसके लिए toolbar पर दिए गए अलग-अलग tool का use करें।
- 5. **Fit Text To Frame:** - इस option का use आप text को frame के अनुसार set करने के लिए किया जाता है।
 - इसमें text को frame की width , height के अनुसार set कर दिया जाएगा। इसके लिए frame OR text को select करके fit text to frame option का use करें।
 - यह option only तभी use होगा जब text, text frame में होगा।
- 6. **Align To Baseline:** - इस option का use text को base line के अनुसार set करने के लिए किया जाता है।



- कई बार text पर कार्य करते समय text को baseline से ऊपर या नीचे कर देते हैं।
 - Text को फिर baseline पर लगाने के लिए align to baseline option का use करें।
 - जब text, text frame में होगा तभी यह option use करेगा।
7. **Straighten Text:** - इस option का use text को सीधा set करने के लिए किया जाता है।
- कई बार text पर कार्य करते समय text को format करके उसे कोण पर घुमा दिया जाता है। इसे फिर से सीधा करने के लिए straighten text option का use किया जाता है।
8. **Writing Tools:** - इस option का use text में सुधार करने के लिए किया जाता है।
- Text menu में writing tool option पर mouse pointer ले जाएंगे तो following option show होंगे।
 - a) Spell Check
 - b) Grammatik
 - c) Thesaurus
 - d) Quick Correct
 - e) Language
 - f) Settings
 - a) **Spell Check:** - इस option का use text के words को check करने के लिए किया जाता है।
 - Ctrl + F12 is short key
 - इस writing tools dialogue box में 3tabs होंगें—
 - a) Spell Checker
 - b) Grammatik
 - c) Thesaurus
 - Spell Checker:** - इसमें text के wrong word को replace with text box में show किया जाता है।
 - इस wrong word के लिए right word को replacement text box में show किया जाता है।



- Wrong word को right word में change करने के लिए replace button पर click करें।
- शब्द को छोड़ने के लिए skip once option पर click करें।
- Word को add करने के लिए add option पर click करें।
- Dialogue box से बाहर निकलने के लिए close option पर click करें।
- b) **Grammatik:** - इस option का use text के Grammatik mistake को check करने के लिए किया जाता है।
- c) **Thesaurus:** - इस option का use text के समानार्थी अन्य शब्दों को खोजने के लिए किया जाता है।
- d) **Quick correct:** - इस option का use Quick Correct option को set करने के लिए किया जाता है।
 - इस option से text में word को wrong type करने पर coral draw automatically सही कर देता है।
 - इसमें उपयुक्त setting को right option का चुनाव कर quick correct option को set कर सकते हैं।
 - यह option Microsoft word (MS Word) के auto correct option की तरह ही है।
- e) **Language:** - इस option का use language का चुनाव करने के लिए किया जाता है।
 - इस option से select language dialogue box show होगा। इसमें language list से language select कर OK पर click करें।
- f) **Settings:** - इस option का use text के लिए spelling से related option set करने के लिए किया जाता है।
 - Setting dialogue box से आप spelling से related more option set कर सकते हैं।
- 9. **Encode:** - इस option का use text को किसी other code में change करने के लिए किया जाता है।
 - किसी भी font को अनेक प्रकार के codes में लिखा जाता है।
 - इस option से आप text को किसी other code में change कर सकते हैं।
 - Text menu में encode option पर click करने को text encoding dialogue box show होगा।



- इस dialogue box में सभी codes को show करने के लिए other encoding button पर click करें।
10. **Change Case:** - इस option का use text को किसी othe case में change करने के लिए किया जाता है।
- Text menu में change case पर click करेंगे तो change case dialogue box show होगा।
 - Dialogue box से case select कर ok पर click करें।
11. **Make Text Web Compatible:** - इस option का use text को web के योग्य बनाने के लिए किया जाता है।
- जब आप paragraph text को web के लिए convert करते है तो उस text में HTML editor द्वारा change कर सकते है।
 - Web योग्य text की size fix size 10 से 48 point के बीच होती है।
 - इसमें text style भी default होती है और text formatting accept नहीं होती है।
 - Selected text को web के योग्य बनाने के लिए text menu में make text web compatible option पर click करें।
 - अगर type किए new text को भी web के योग्य बनाना चाहते है। तो tool menu में option command पर click करें। इससे option dialogue box show होगा।
 - अब text option में जाकर paragraph option select करें। इससे paragraph से related option show होंगे।
 - इसमे make all new paragraph text frames web compatible option पर right option set करें।
 - Web compatible only paragraph text पर ही active होता है। इसे other object पर लागू नहीं कर सकते है।
 - Artistic text को web योग्य नहीं बनाया जा सकता है क्योंकि यह bitmap के समान behave करता है।
12. **Convert:** - इस option का use text को convert करने के लिए किया जाता है।
- Coral draw में आप text को दो प्रकार से type या set कर सकते है।
 - a) Paragraph text
 - b) Artistic text



- जब आप text को frame बनाकर type करते हैं तो paragraph text कहलाता है और जब text को बिना frame के type करते हैं तो artistic text कहलाता है।
- इस option से आप paragraph text को artistic text और artistic text को paragraph text में change कर सकते हैं।
- Text menu में convert option पर click करें।

13. **Text Statistics:** - इस option का use text से related सभी type की सूचनाओं की calculation करने के लिए किया जाता है।

- यदि आप इस option का use text को select करके करते हैं तो यह only select किए गए text की information की calculation को show करेगा।
- यदि इस command का use किसी भी text को select किए बिना करते हैं तो यह document के सभी pages के text की information की calculation show करेगा।
- Text menu में ftext statistics option पर click करें।

14. **Show Non-Printing Character:** - इस option का use print न किए जाने वाले character को show करने के लिए किया जाता है।

- Coral में आप किसी भी character को non-printing character बना सकते हैं। इससे वह character print नहीं होगा।
- इस option से पता चलता है कि non-printing character को show किया गया है।

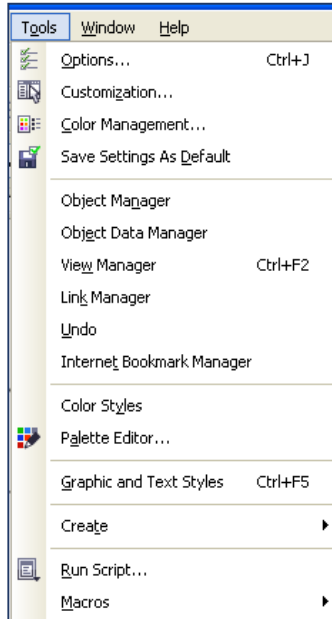
15. **Link:** - इस option से आप दो अलग-अलग text block के बीच एक link show कर सकते हैं।

- कई बार किसी text को अलग-अलग block में set करने के लिए इन block के बीच relation show करने के लिए link command का use करें।
- इससे text block के size अनुसार automatic एक block से other block में set हो जाएगा।
- Text block के बीच link show करने के लिए दोनों text blocks को select कर text menu में link option पर click करें।
- दोनों text blocks के बीच link हटाने के लिए text menu में unlink option पर click करें।

Tool Menu: -



1. **Options:** - इस command का use coral draw की commands को set करने के लिए किया जाता है।
 - Tool menu में option command पर click करें।
 - Ctrl + T is short key



2. **Customization:** - इस option का use coral draw की commands को customization करने के लिए किया जाता है।

- इसके द्वारा आप commands को आवश्यकतानुसार set कर सकते हैं।
- यह command option command से different है क्योंकि option command को आप आवश्यकतानुसार customize नहीं कर सकते हैं।
- Tool menu में customization command पर click करें dialogue box show हो जाएगा।

3. **Color Management:** - इस command का use color management के लिए किया जाता है।

- इस command से आप अलग-अलग device के लिए अलग-अलग color scheme set कर सकते हैं।
 - Tool menu में color management command पर click करें।
4. **Save Setting As Default:** - इस option का use सभी प्रकार की setting को default setting में set करने के लिए करते हैं।
 - Corel में आप commands को अपने अनुसार customize कर set कर सकते हैं। इससे command के through किया गया work प्रभावित होता है।
 - यदि आप customize option को default रूप में set करना चाहते हैं तो tool menu में save settings as default command पर click करें।
 - Customize option default setting के रूप में save हो जाएगा।
 5. **Object Manager:** - इस option का use object manager को show करने के लिए किया जाता है।
 - इससे आप use की गई layer व work की detail अलग-अलग page wise देख सकते हैं।
 - यहां से आप new layer create करना, layer का name change करना, layer को delete करने से related work कर सकते हैं।



- Object manager को show करने के लिए tool menu में object manager पर click करें।
6. **Object Data Manager:** - इस option का use object data manager show करने के लिए किया जाता है।
- यह object data manager only तभी work करेगा जब आप coral draw में किसी other software द्वारा data को import करके तैयार करेंगे।
 - Tool menu में object data manager option पर click करेंगे को object data manager panel show होगा।
 - Dialogue box से data open करने के लिए open spreadsheet button पर click करें।
 - Data के field में change करने के लिए open field editor button पर click करें।
 - किसी field से data को copy करने के लिए copy data from option पर click करें।
 - किसी field को हटाने के लिए clear field और सभी field को हटाने के लिए clear all fields button पर click करें।
7. **View Manager:** - इस option का use view manager show करने के लिए किया जाता है।
- View manager में zoom से related tool होते हैं। इसका use करके आप drawing को zoom करके देख सकते हैं।
 - Tool menu में view manager option से हम zoom tool के use करके drawing OR object के size कम या ज्यादा कर सकते हैं।
8. **Link Manager:** - इस option का use link manager show करने के लिए किया जाता है।
- Link manager द्वारा आप यह देख सकते हैं कि किस drawing या object को link किया गया है और सि page में रखा गया है।
 - Link manager को show करने के लिए tool menu में link manager option पर click करें।
9. **Undo Dockers:** - यह option undo Dockers show करता है।
- Coral में किए गए step by step work को इसमें record किया जाता है।
 - Undo command के सभी steps की इसमें show किया जाता है।
 - इस command का use करने के लिए tool menu में undo Dockers option पर click करें।



10. **Internet Bookmark Manager:** - इस option का use internet bookmark manager show करने के लिए किया जाता है।
- Coral draw में आप internet से bookmark OR symbol insert कर सकते हैं।
 - Tool menu में जाकर internet bookmark manager option पर click करें।
11. **Color Style:** - इस option का use color style को show
- Coral में आप different – different color style बना सकते हैं और पहले से बने हुए color style में changes कर सकते हैं।
 - इन color style को use करके आप उसे किसी भी object में भर सकते हैं।
 - tool menu में color styles option पर click करें और इस command को use करें।
12. **Palette Editor:** - इस option का use color palette में changes करने के लिए किया जाता है।
- Coral draw में color को palette के माध्यम से set किया जाता है।
 - Color palette द्वारा आप किसी भी प्रकार के color को select कर उसमें changes कर सकते हैं।
 - इसमें आप अवश्यकतानुसार new color palette बनाकर उसे save कर सकते हैं और पहले से बनी किसी color palette को delete कर सकते हैं।
13. **Graphics and Text Styles:** - इस option का use graphics Or text styles को show करने के लिए किया जाता है।
- Coral draw में use की गई सभी प्रकार के graphics OR text styles को इस panel में show किया जाता है।
 - Ctrl + F5 is short key
 - Tool menu में graphics and text styles option पर click करें तो graphics or text palette show होंगे।
14. **Scrapbook:** - Scrapbook का अर्थ एक ऐसी book से है जिसमें image OR text etc को चिपकाया जाता है।
- इस option का use image or text etc को graphic को insert and show करने के लिए किया जाता है।
 - Tool menu में scrapbook पर mouse pointer ले जाए। इसमें 3 option show होंगे।
 - a) Browse
 - b) Contents on the web
 - c) Search



- किसी image Or text को browse करना चाहते हैं तो browse option select करें।
 - image Or text को search करने के लिए dialogue box में search for box में text enter करें जिससे related सामग्री को आप show करना चाहते हैं।
 - यदि web से related सामग्री search करना चाहते हैं तो contents on the web option पर click करें।
15. **Create:** - इस option का use arrow, character Or pattern तैयार करने के लिए किया जाता है।
- Tool menu में create command पर mouse pointer ले जाए।
 - इसमें 3 option show होंगे –
 - a) Arrow
 - b) Character
 - c) Pattern
16. **Run Script:** - इस option का use drawing window में coral script को चलाने के लिए किया जाता है।
- Coral script छोटे-छोटे स्वचलित program होते हैं जिनका use drawing से related work को complete करने के लिए किया जाता है।
 - Tool menu में run script option पर click करें इससे run script dialogue box show होगा।
 - यहाँ से उपयुक्त script select करके open button पर click करें, इससे select किए गए script object पर लागू हो जाएगी।
17. **Visual Basic:** - इस option का use visual basic के लिए किया जाता है।
- Visual basic computer की एक language होती है जिसका use software बनाने के लिए किया जाता है।
 - Visual basic का use करके आप coral में अतिरिक्त feature जोड़ सकते हैं या पहले के feature में change कर सकते हैं।
 - Visual basic का use करके आप coral draw को अधिक सुविधाजनक और useful बना सकते हैं इसके लिए visual basic का complete knowledge होना compulsory है।